Written by हमिांशु श्रीवास्□तव
Wednesday, 10 May 2017 08:37

: □□□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ : □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ : □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□ :

□□□□□□□ □□□□□□□□□□□

□□□□□□ **:**मसिालें सुनी तो बहुत जाती हैं लेकनि उनका चरतािर्थ रूप देखने को कम ही मलिता है। मंगलवार को दीवानी न्यायालय में सास व बहू का □क दूसरे केप्रतपि्रेम स्नेह देखने को मलिा। दोनों ने मीडयिा केसमक्ष शोषण करने वाली तीन तलाकव्यवस्था खत्म करने और शरीयत में औरतों को भी बराबरी का हकदि। जाने की प्रधानमंत्री से मांग कयिा। पहली बार ऐसा देखने को मलिा कि तीन तलाककेमुद्दे पर बेटे केखलिाफव बहू केसमर्थन में कोई सास खुलकर सामने आई हो।

खेतासराय नविासी मोहम्मद फैज केतीन तलाककी इच्छा को न मानकर पत्नी आयशा व सास रुखसाना □कसाथ रह रहे हैं क्योंकि सास अपनी बहू व पोतों के बगैर रह नहीं रह पा रही थी।

हुआ यूं कि मोहम्मद फैज की मुफ्ती आदकिेसाथ तीन तलाककेसंबंध में मीटगि की बात सास रुखसाना व अगुवा से आयशा को पता चल गई कि बाहर रह रहा पतउिसे तीन तलाकदेने केलि। फोन करेगा। पतनिे उसे तीन तलाकदेने केलि। फोन कयिा भी लेकनि जैसे ही उसने तलाकदेने केलि। "तीन"शब्द कहा पत्नी ने फोन काट दयिा और तीन तलाककी घोषणा पूरी नहीं हो पाई । सास रुखसाना ने कहा कि अगर आयशा तीन तलाकशब्द सुन लेती तो तीन तलाकहो जाता और हलाला केबाद ही बहू और पोते उसकेपास आ पाते इसीलि। आयशा को पहले ही बता दयिा गया था । अगर ऐसा हो जाता तो आज वह अपने बहु वह पोतों केसाथ से महरूम हो जाती । आयशा ने कहा कि अगर कोई रजस्ट्रिी भी आ□गी तो वह उसे नहीं लेगी क्योंकि पतरिजस्ट्रिी से भी तीन तलाकभेज सकता है। उधर रुखसाना का कहना है कि अगर कसिी भी प्रकार उसका बेटा उसकी बहू को तीन तलाकदेने में सफल भी हो जाता है तो भी वह अपने बहू व पोतों केसाथ रहेगी और इस मुद्दे पर बेटे की खलिाफत करेगी।

□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□:-

[□□□ □□□□]

Written by हिमांशु श्रीवास्□तव
Wednesday, 10 May 2017 08:37

खेतासराय नविासी आयशा की शादी खेतासराय के ही फैज उर्फ गुड्डू से हुई थी □ आयशा के दो बच्चे हैं □ उसने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा किया है कि 30 अक्टूबर 2013 को दहेज में मोटरसाइकलि की मांग को लेकर उसे मारपीट कर ससुराल से निकाल दिया गया□ साथ ही उसने गुजारा भत्ता का भी मुकदमा किया है जिसमें कोर्ट ने फैज को आदेश दिया है कि पत्नी व बच्चों को प्रतिमाह गुजारा भत्ता अदा करें लेकिन उसने गुजारा भत्ता नहीं दिया □ उसके खिलाफ रिकवरी वारंट जारी है □

इसी बीच तीन तलाक के संबंध में पति की मुफ्ती अधिकि से मीटिंग हुई जिसके बाद उसे पत्नी को तीन तलाक बोलना था तलाक होने के बाद तलाकनामा दाखिल हो जाता और पत्नी अपने बच्चों के साथ दर दर भटकने को मजबूर हो जाती लेकिन सास रुखसाना वह अगुआ की सूझबूझ के कारण ऐसा नहीं हो पाया और फैज के मंसूबे पर पानी फिर गया□ फैज के तीन तलाक देने की इच्छा को न मानकर आयशा अपने बच्चों व सास के साथ प्रेम पूर्वक रह रही है□

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को फौरन हासिल कीजिए□ अपनी फेसबुक पर□ मेरी बिटिया डॉट कॉम का फेसबुक पेज पर पधारिये और सिर्फ□ क्लिक कीजिए□ LIKE पर)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्□टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्□या की साजिशें किसी भी शख्□स के हृदय-मन-मस्तिष्□क को विचलित कर सकती हैं□ समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खियां बन सकती है□ चाहे वह स्□त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्□चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो□ हर शख्□स बोलना चाहता है□ लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए□ □

अब आप निःश्चिंत हो जाइये□ अब आपके पास है □क बेफिक्र रास्□ता, नाम है प्रमुख न्□यूज पोर्टल www.meribitiya.com□ आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए□ न□ ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्□पर्क कीजिए□ □ आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्□त रखेंगे□ आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्□तार से भेज दें□ आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं□)